

- | | | | | |
|--|---|---|--|---|
| 1867. | 11. Hr. F. W. A. Hempel, Perückenmacher. | 1865. | B. Aus der Classe der unangesessenen Bürger: | |
| | 12. S. Vorsteher. | | a) vom Handelsstande. | |
| | 13. - C. F. H. Rudloff, Schuhmachermeister. | | 1. Hr. J. Nachod, Kaufmann. | |
| | 14. - M. E. Stephani, Dr jur. u. Advocat. | | 2. - C. Kettembeil, Kaufmann. | |
| | 15. - W. P. Hamm, Dr. phil. | | 3. Hr. H. E. Brockhaus, Dr. phil. und Buchhändler. | |
| 2. Ersatzmänner. | | 1866. | 4. - A. Leppoc, Kaufmann. | |
| A. Aus der Classe der ansässigen Bürger. | | | 5. - A. L. Thomas, Buchhändler. | |
| 1865. | 1. Hr. W. Koloff, Kaufmann. | | 1867. | 6. - C. R. Gruner, Kaufmann. |
| | 2. - F. G. Grapf, Bäckermeister. | | | 7. Hr. W. E. H. Scharf, Kaufmann. |
| | 3. - J. A. Meißner, Kaufmann. | | | 8. - J. M. Cavael, Buchhändler. |
| | 4. - C. C. Krappe, Buchhändler. | 9. - F. J. A. List, Director d. Allgem. Deutschen Credit-Anstalt. | | |
| | 5. Hr. H. A. Kori, Dr. jur. u. Advocat. | b) von den übrigen Ständen und Gewerben. | | |
| 1866. | 6. - C. C. Madack, Korbmachermstr. | 1865. | 1. Hr. F. W. Siegiemund, Buchbindermeister. | |
| | 7. - D. F. H. Staritz, Zimmermstr. | | 1866. | 2. Hr. F. C. Biedermann, Dr., Prof. u. Redacteur. |
| | 8. - A. F. Dürr, Buchhändler. | | | 3. - C. F. Anschütz, Advocat. |
| | 9. - C. A. Hahn, Lackirer. | | | 4. - A. L. Schilling, Advocat. |
| | 10. - J. R. Heine, Goldarbeiter. | | | 5. Hr. F. L. Winter, Advocat. |
| 11. - J. G. Zill, Privatmann. | 6. - C. A. L. Niebrich, Schuhmachermeister. | | | |
| 1867. | 12. Hr. D. H. Klemm, Maurermeister. | 1867. | 7. - A. G. Mahler, Seilermeister. | |
| | 13. - W. Müller, Eporermeister. | | 8. - C. F. R. Schmidt, Advocat. | |
| | 14. - J. L. Müller, Lackirer. | | 9. - J. H. Bätjer, Klempnermeister. | |
| | 15. - F. J. F. L. Harß, Kaufmann. | | Archiv.: Hr. Adv. Rob. Heßler, Weststr. 20. | |
| | 16. - J. F. Bieweg, Korbmachermstr. | | Expedient: Hr. Ferd. Röhn. Böttcherg. 1. | |
| 17. - C. F. A. Kummer, Director der Leipz. Lebens-Vers.-Anstalt. | Nuntius: Hr. Carl Scharlach, Katharinenstraße 29. | | | |
| 18. - H. Beckmann, Rfm. u. Consul. | | | | |

A. Gelehrter Stand,

einschließlich der Privatlehrer in Wissenschaft und Kunst.

A. Advocatenkammer und Advocaten.

1. Advocaten-Kammer

des Advocatenvereins im Appellationsgerichts-Bezirk Leipzig.

(Vom k. Justiz-Ministerium am 26. September 1864 anerkannt, in Function v. 1. Juli 1864 bis dahin 1866.)
(Bureau beim Vorsitzenden.)

a) Mitglieder:

- | | | |
|---|-------------|---|
| Hr. Advocat C. Schrey, Vorstand. | zu Leipzig. | Hr. Advocat Ferd. Brunner zu Leipzig. |
| - - Rob. Sichel, dessen Stellv. | | - - Gstv. Mehr zu Borna. |
| - - Dr. D. Günther, Secretair. | | - - Advph. Anton, daselbst. |
| - - Emmerich Anschütz, dessen Stellvertreter. | | - - Stifts-Syndicus Mor. Grützmann zu Wurzen. |
| - - Domcapit. Dr. Em. Wendler. | | - - Rob. Frenkel zu Leipzig. |

(Die siebente Stelle ist zur Zeit unbesetzt.)

b) Stellvertreter:

- Hr. Advocat Dr. Frz. Friederici zu Leipzig.

Hierüber noch:
(vom Vorstande der Advocatenkammer ernannt)
Hr. Advocat Gstv. Pohlenz, als Rechnungsführer.

2. Immatriculirte Advocaten und Notare.

Sämmtliche hier nachstehend Aufgeführte sind in Leipzig, wie im ganzen Königreiche Sachsen zum Ausüben der advocatorischen sowohl, als der notariellen Praxis berechtigt, und bilden, vermöge ihrer Immatriculation, die Mitglieder des Advocatenvereins im Appellations-Gerichtsbezirk Leipzig. (Vergl. oben